खबर संक्षेप

सतना में भीषण गर्मी का प्रकोप, पारा 45.3 डिग्री पहुंचा

सतना। सूर्यदेव के तेवर तल्ख होने से गर्मी का सितम और बढ़ गया है। बुधवार को अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 45.3C दर्ज किया गया,जबकि न्यूनतम तापमान 29.7C रहा। हवा में नमी 28 प्रतिशत से 13 प्रतिशत के बीच रहने से झुलसाने वाली लू का असर तेज है। दोपहर में बाहर निकलना दूभर हो गया है।

मैहर के केमिस्टों की हड़ताल, सौंपा ज्ञापन, मेडिकल स्टोर रही बंद

मैहर। जिले में अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बुधवार को जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आह्वान पर जिलेभर की दवा दुकानें एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर रहीं। इस दौरान केमिस्टों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम मैहर डिप्टीकलेक्टर अश्मिता पटेल को ज्ञापन सौंपकर ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने और छोटे दवा व्यापारियों के संरक्षण की मांग की। एसोसिएशन का कहना है कि बिना स्पष्टवैधानिक प्रावधान के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए दवाओं की बिक्री,फर्जी ई-प्रिसक्रिप्शन और बिना चिकित्सकीय सलाह के होम डिलीवरी जैसी गतिविधियां जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं। साथ ही अत्यधिक छूट और प्रीडेटरी प्राइसिंग के कारण छोटे लाइसेंसधारी दवा विक्रेताओं का व्यापार प्रभावित हो रहा है। जिला दवा विक्रेता संघ मैहर के जिला अध्यक्ष ने बताया कि देशभर में ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एवं एमपीसीडीए के आह्वान पर यह आंदोलन किया गया। उन्होंने मांग की कि अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल सख्त कार्रवाई हो, बिना सत्यापित ई-प्रिसक्रिप्शन दवा वितरण बंद किया जाए और ऑनलाइन कंपनियों की मनमानी पर रोक लगाई जाए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 में ऑनलाइन दवा बिक्री का स्पष्ट प्रावधान नहीं है, बावजूद इसके कई कंपनियां वर्षों से ऑनलाइन दवाओं का कारोबार कर रही हैं। केमिस्ट संघ ने सरकार से जनहित और मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल्द प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

साठगांठ का पर्दाफाश, जिनके के पास एक भी खदान नहीं, फिर भी चल रहे 3 विशाल भंडारण केंद्र; सीमेंट प्लांटों को खपाया जा रहा अवैध बॉक्साइट और लैटेराइट।

चित्रकूट के जंगलों पर 'माफिया राज': कागजों पर 'चोरी' को 'नंबर एक' बनाने का गंदा खेल, कलेक्टर से शिकायत

सतना। प्राकृतिक, सात्विक, पौराणिक और धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व की पवित्रभूमि चित्रकूट के वनांचल इन दिनों अवैध खनन माफिया के बारूद और लालच से दहल रहे हैं। रक्षक ही भक्षक बन बैठे हैं और वन विभाग,राजस्व तथा स्थानीय प्रशासन की नाक के नीचे आदिवासियों को डरा-धमकाकर अघोषित 'सल्तनत' चलाई जा रही है। जानकारों के मुताबिक,विरसिंहपुर क्षेत्र के मझगवां तहसील इलाके के दुर्गम वनों में बॉक्साइट और लैटेराइट के अवैध उत्खनन की अंधी होड़ मची है।माफिया सरकारी पहाड़ियों का माथा फोड़कर कुदरत को लहूलुहान कर रहे हैं,और इस काले कारोबार का नेटवर्क नेपाल से लेकर दक्षिण भारत तक फैला हुआ है।

बड़ा सवालः चोरी का अवैध खनिज 'नंबर एक' कैसे बनता है?

सबसे बड़ा हैरान करने वाला पहलू यह है कि आखिर रात के अंधेरे में चुराया गया यह खनिज दिन के उजाले में वैध (नंबर एक) कैसे हो जाता है? इस पूरे खेल के पीछे 'भंडारण लाइसेंस' का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो रहा है। फर्जीवाड़ा करके कागजों पर स्टॉक ट्रांसफर दिखाया जाता है। खदान संचालक और भंडारण केंद्र के मालिक आपस में मिलकर कागजी

हेरफेर करते हैं। भौतिक रूप से खदान से एक कट्टा खनिज नहीं निकलता,लेकिन कागजों पर उसे वैध दिखाकर,स्टॉक डिपो से चोरी का माल सीमेंट प्लांटों को धड़ल्ले से भेज दिया जाता है। रडार पर ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों ने इस महाघोटाले के खिलाफ सीधे कलेक्टर का दरवाजा खटखटाया है। शिकायत में मुख्य रूप से कारनामों का कच्चा चिट्ठा खोला गया है।

एक भी माइंस नहीं, फिर भी तीन डिपो

चौंकाने वाली बात यह है कि पूरे जिले में एक भी खुद की खदान (माइंस) नहीं है। इसके बावजूद कंपनी के तीन-तीन भंडारण केंद्र (स्टॉकयार्ड) शान से चल रहे हैं।

प्रदूषण के नियमों की धज्जियाँ

इन भंडारण केंद्रों पर प्रदूषण नियंत्रण के कोई उपाय नहीं हैं। खुलेआम उड़ती धूल से ग्रामीणों का जीना मुहाल हो चुका है। नियम के मुताबिक जरूरी फव्वारा (स्प्रिंकलर) सिस्टम तक गायब है।ग्रामीणों ने मांग की है कि तीन केंद्रों जैतवारा केंद्र और यार्ड का भौतिक सत्यापन कराया जाए,ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके और सरकारी राजस्व को लग रहा करोड़ों का चूना बंद हो।

सीए के सूने घर से 10 लाख के जेवर और नकदी पार, खिड़की की जाली काटकर घुसे चोर

आरोपी रात के अंधेरे में ही रफूचक्कर हो गए।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए 6 नकाबपोश संदिग्ध, रेकी की आशंका

सतना। शहर के पॉश इलाके कोलगवां थाना क्षेत्र स्थित भरहुत नगर में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात बदमाशों ने एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया।शातिर चोरों ने एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) के सूने कमरे को निशाना बनाते हुए करीब 10 लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात और 25 हजार रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। फिलहाल पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर बारीकी से जांच में जुट गई है।

मां की तबीयत बिगड़ी तो दूसरे कमरे में सोए थे सीए

प्राप्त जानकारी के अनुसार,भरहुत नगर निवासी सीए पंकज डागा का परिवार इन दिनों मायके गया हुआ था। घर पर पंकज डागा अपनी वृद्ध मां के साथ अकेले थे। बुधवार रात करीब 11 बजे तक पंकज अपने कमरे में ही थे। इसके बाद अचानक मां की तबीयत खराब होने के कारण वह उनकी देखभाल के लिए उन्हीं के कमरे में सोने चले गए। सुबह करीब 9 बजे जब पंकज अपने कमरे में वापस लौटे,तो नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। कमरे की अलमारी का लॉकर टूटा हुआ था,सारा सामान बिखरा पड़ा था और उसमें रखे सोने के आभूषण व नकदी गायब थे।

बाउंड्री फांदकर घुसे,खिड़की की जाली तोड़ी

शुरुआती जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बताया जा रहा है कि चोर देर रात करीब 1 बजकर 10 मिनट पर घर के सामने की बाउंड्री वॉल फांदकर परिसर के अंदर दाखिल हुए। इसके बाद बदमाशों ने बेहद शातिराना तरीके से घर के पिछले हिस्से में लगी खिड़की की जाली को कटर से काटा और कमरे के भीतर प्रवेश कर गए। लॉकर तोड़कर कीमती सामान समेटने के बाद

सीसीटीवी में दिखे 6 संदिग्ध

वारदात के बाद जब घर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई,तो उसमें 6 संदिग्ध बदमाश नजर आए हैं। फुटेज में सभी आरोपी देर रात घर की सीमा में घुसते और वारदात को अंजाम देकर जाते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस को आशंका है कि बदमाशों ने वारदात से पहले बाकायदा घर की रेकी की थी। उन्हें इस बात की सटीक जानकारी थी कि परिवार के बाकी सदस्य बाहर गए हुए हैं।

जांच में जुटी पुलिस टीम

घटना की जानकारी मिलते ही कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी पुलिस बल और एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। थाना प्रभारी के मुताबिक,सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हुलये का मिलान किया जा रहा है और संदिग्धों की धरपकड़ के लिए टीमें रवाना कर दी गई हैं। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

सतना स्टेशन पर रेलवे की बड़ी कार्रवाई: अवैध वेंडिंग ट्रॉलियों पर लगेगी लगाम, लाईसेंसियों के 'फर्जीवाड़े' पर कसा शिकंजा

सतना। पश्चिम मध्य रेलवे के सतना स्टेशन पर यात्रियों की सहूलियत और सुरक्षा को ताक पर रखकर मनमानी करने वाले वेंडरों और लाईसेंसियों के खिलाफ रेलवे प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है।स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) कार्यालय द्वारा जारी दो अलग-अलग कड़े आदेशों से स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया है। रेलवे ने साफ कर दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को कतई बख्शा नहीं जाएगा और सीधे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सोपान रेस्टोरेंट की 'नो-व्हील' मनमानी; यात्रियों के लिए आफत बनीं अवैध ट्रॉलियां

स्टेशन प्रबंधक कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार,सोपान रेस्टोरेंट (जन आहार,सतना) अनुबंध की शर्तों की धज्जियां उड़ाकर प्लेटफॉर्म पर अवैध रूप से खानपान की ट्रॉलियां दौड़ा रहा है। शिकायतें मिली हैं कि इन पहियेदार ट्रॉलियों के कारण प्लेटफॉर्म पर चलने वाले यात्रियों को भारी असुविधा और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

क्या हैं अनुबंध के नियम?

नियमों के मुताबिक, सोपान रेस्टोरेंट को सिर्फ जनरल कोचों के सामने बिना पहिये वाली टेबल (स्थिर काउंटर) रखकर इकॉनमी मील (सस्ता भोजन) बेचने की अनुमति है। रेलवे ने रेस्टोरेंट संचालक को अंतिम चेतावनी देते हुए तुरंत ट्रॉलियां हटाने और अनुबंध के दायरे में काम करने के निर्देश दिए हैं। ऐसा न करने पर लाइसेंस रद्द करने जैसी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कौन चला रहा है स्टॉल और पार्किंग? वेंडरों के 'अंडरग्राउंड' खेल पर सख्त हुआ प्रशासन

दूसरे बड़े फरमान में रेलवे ने सतना स्टेशन पर संचालित सभी खानपान स्टालों और पार्किंग ठेकेदारों की कुंडली खंगालने की तैयारी कर ली है। स्टेशन प्रबंधक ने समस्त लाईसेंसियों को अल्टीमेटम जारी कर पूछा है कि उनके स्टॉल और पार्किंग को असल में कौन से व्यक्ति संचालित कर रहे हैं? रेलवे ने सभी लाईसेंसियों को निर्देश दिया है कि वे अपने प्रतिनिधियों की संपूर्ण जानकारी जल्द से जल्द कार्यालय में जमा करें। इसमें प्राधिकार पत्र (अथॉरिटी लेटर) और वैध पहचान पत्र। मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और पुलिस वेरिफिकेशन रिपोर्ट। अधिकृत प्रतिनिधि का चालू मोबाइल नंबर। बिना वेरिफिकेशन के नहीं चलेगा काम रेलवे प्रशासन का मानना है कि सुरक्षा के लिहाज से स्टेशन पर काम करने वाले हर व्यक्ति का पुलिस वेरिफिकेशन और मेडिकल होना अनिवार्य है। पहचान छुपाकर या बिना अनुमति के स्टॉल संभालने वालों के कारण भविष्य में कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है। इस सख्ती का मुख्य उद्देश्य भविष्य में होने वाले पत्राचार को सीधे 'अधिकृत और वैध' प्रतिनिधियों से जोड़ना है। इन दोनों मामलों की कॉपियां मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) जबलपुर,मुख्य वाणिज्य निरीक्षक और जबलपुर को भेज दी गई हैं,जिससे साफ है कि इस बार अधिकारियों के तेवर बेहद तीखे हैं और लापरवाही पर गाज गिरना तय है।

ब्लड दलाली नेटवर्कः अस्पताल में मौत का सौदा, 3 घंटे की 'जादुई' डिलीवरी ने खोली स्वास्थ्य विभाग की पोल!

सतना। अंचल में जिंदगी बचाने वाले खून की दलाली का धंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा है। स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों की आंख मूंदने की आदत का नतीजा यह है कि आम इंसान असमय मौत के गाल में समाने को मजबूर है। पिछले दिनों रीवा से सतना लाए गए खून के मामले ने स्वास्थ्य महकमे की सांठगांठ और दलाली के एक ऐसे सुनियोजित खेल को उजागर किया है,जिसने पूरे प्रशासनिक तंत्र को कटघरे में खड़ा कर दिया है। अस्पताल में क्लॉटेड (थक्का जमा हुआ) और हीमोलाइज्ड ब्लड पहुंचने के मामले में गठित 3 सदस्यीय जांच टीम ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट सिविल सर्जन डॉ.अमर सिंह को सौंप दी है।इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद कई ऐसे तीखे सवाल खड़े हो गए हैं,जिनका जवाब देने में अधिकारियों के पसीने छूट रहे हैं।

यूपीआई से 8 हजार की वसूली,दलाल अभय सिंह का नंबर और बैंक अकाउंट उजागर

जांच टीम की रिपोर्ट में शिकायतकर्ता दिलीप वर्मा के बयानों के आधार पर यूपीआई के जरिए 8 हजार रुपए ऐंठने वाले कथित दलाल अभय सिंह का मोबाइल नंबर और बैंक अकाउंट नंबर दर्ज किया गया है। रिपोर्ट में इस बात का साफ उल्लेख है कि रीवा से लाया गया ब्लड किन संदिग्ध परिस्थितियों में 'हीमोलाइज्ड' (खराब) हो गया था, जिसके कारण आर्थो सर्जन डॉ.अतीक खान ने मरीज की जान को खतरा देखते हुए उसे खून चढ़ाने से साफ इंकार कर दिया था। इस जांच टीम में ब्लड ट्रांसफ्यूजन ऑफिसर डॉ.अंकिता पाण्डेय,ड्रग इंस्पेक्टर प्रियंका चौबे,सहायक प्रबंधक डॉ.धीरेन्द्र वर्मा और जीएस तिवारी डायटीशियन शामिल थे। शिकायतकर्ता के मुताबिक,सुबह साढ़े 7 बजे दलाल अभय सिंह जिला अस्पताल से मरीज का ब्लड सैंपल,फॉर्म और 8 हजार रुपए लेकर गायब हुआ। महज 3 घंटे बाद वह ए-पॉजिटिव ब्लड की दो यूनिट लेकर वापस अस्पताल पहुंच गया।

अब जरा इस 'जादुई क्रोनोलॉजी' को समझिए

दूरी का गणितः सतना से रीवा की दूरी करीब 50 किलोमीटर है। सामान्य तौर पर आने-जाने में ही कम से कम 2 घंटे का समय लगता है।रीवा के विंध्या ब्लड बैंक में मरीज के सैंपल का क्रॉसमैच करने में कम से कम 40 मिनट या उससे अधिक का समय लगना अनिवार्य है। ब्लड जारी करने की सरकारी और तकनीकी प्रक्रियाओं में भी समय लगता है। रीवा से आने वाली बसों का स्टॉपेज जिला अस्पताल से 4 किलोमीटर दूर है। वहां से ऑटो या अन्य साधन से अस्पताल पहुंचने में भी समय लगता है।

बड़ा सवालः जो प्रक्रिया वैज्ञानिक और व्यावहारिक रूप से कम से कम 4 से 5 घंटे ले सकती है, उसे दलाल ने महज 3 घंटे में कैसे पूरा कर दिया? क्या दलाल के पास कोई 'उड़ने वाली शक्ति' थी या फिर अस्पताल के भीतर ही मौत का यह सामान पहले से डंप पड़ा था?

...तो क्या सतना में ही मौजूद था खून, सिर्फ रीवा का नाम लेकर काटी गई जेब?

इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब अस्पताल और प्रशासनिक गलियारों में यह सुगबुगाहट तेज हो गई है कि खून रीवा से लाया ही नहीं गया था। आशंका जताई जा रही है कि दलालों के पास यह ब्लड पहले से ही किसी अवैध माध्यम से सतना में ही उपलब्ध था। यदि ऐसा था,तो मरीज के परिजनों को गुमराह करने के लिए रीवा भेजने और क्रॉसमैच का झूठा नाटक क्यों रचा गया? सरदार वल्लभ भाई पटेल जिला चिकित्सालय की नाक के नीचे चल रहे इस 'ब्लड एंड ब्लड कम्पोनेंट यूनिट' के खेल ने कई रसूखदारों को संदेह के घेरे में ला दिया है।

अब एसडीएम के पाले में गेंद,क्या होगी सख्त कार्रवाई?

सिविल सर्जन डॉ.अमर सिंह अब इस जांच रिपोर्ट में अपनी टीप (टिप्पणी) जोड़कर इसे एसडीएम राहुल सिलाडिया को सौंपने जा रहे हैं। दलाल नेटवर्क,डिजिटल ट्रांजैक्शन के पुख्ता सबूत और रीवा के प्राइवेट ब्लड बैंक की संदिग्ध भूमिका अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है। देखना यह है कि प्रशासन इन 'खून के सौदागरों' पर रासुका जैसी सख्त कार्रवाई करता है या फिर फाइलों के अंबार में इस गरीब की चीख को दबा दिया जाएगा।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में केमिस्ट्स की देशव्यापी हड़ताल, पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

सतना। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर बुधवार को अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में देशभर के केमिस्ट्स की एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल सफलता पूर्वक संपन्न हुई। मध्यप्रदेश राज्य केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के अंतर्गत सतना जिले के सभी दवा विक्रेताओं ने अपने प्रतिष्ठान पूर्णतः बंद रखकर आंदोलन को अपना समर्थन दिया। इस दौरान जिलाधीश के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बिना वैध पर्चे के दवाओं की ऑनलाइन होम डिलीवरी और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स द्वारा दी जा रही अत्यधिक छूट (डीप डिस्काउंटिंग) पर गंभीर आपत्ति जताई गई। केमिस्ट्स का कहना है कि यह अनुचित नीति लाखों छोटे और लाइसेंसधारी दुकानदारों के अस्तित्व के लिए खतरा बन चुकी है।

एसोसिएशन ने जीएस आर 817 (ई) और जीएस आर 220 (ई) को तत्काल वापस लेने की मांग की,जिसका दुरुपयोग क्विक कॉमर्स ऑपरेटर्स द्वारा किया जा रहा है। दवा प्रतिनिधियों ने चेताया कि दवाएं सामान्य उपभोक्ता वस्तुएं नहीं हैं, इनका अनियंत्रित व्यापार जन स्वास्थ्य और मरीज की सुरक्षा से खिलवाड़ है। सतना जिला केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दीन दयाल तिवारी और सचिव नितिन पारेख ने बताया कि हड़ताल पूरी तरह शांतिपूर्ण रही और इस दौरान मरीजों के लिए आपातकालीन दवाओं की व्यवस्था भी की गई थी।

मैहर में बड़ा हादसा टला, बाइक सवार को बचाने के प्रयास में पलटा तेज रफ्तार ट्रक

मैहर। जिले में बुधवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। तृप्ती ढाबा के सामने तेज रफ्तार से जा रहा एक ट्रक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। जानकारी के अनुसार ट्रक बरौंहया की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने अचानक बाइक सवार आ गया,जिसे बचाने के प्रयास में चालक ने ट्रक से नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया। हादसे में ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया,जिससे चालक अंदर फंस गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए ट्रक का कांच तोड़कर चालक को बाहर निकाला।चालक की पहचान दिलीप सिंह के रूप में हुई है। गनीमत रही कि हादसे में चालक को किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। हादसे के कारण कुछ देर तक सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

खबर संक्षेप

मौसम परिवर्तन और बढ़ते तापमान एवं लू को लेकर बीएमओ डॉ. जैन ने लोगों से की अपील

पन्ना। देवेंद्रनगर क्षेत्र में लगातार मौसम परिवर्तन और बढ़ते तापमान को देखते हुए बीएमओ डॉ. अभिषेक जैन ने आमजन से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि इन दिनों तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है, जिससे लू और गर्मी जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। बीएमओ डॉ. जैन ने लोगों से कहा है कि दोपहर के समय अत्यंत आवश्यक कार्य होने पर ही घरों से बाहर निकलें। बाहर निकलते समय सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें तथा पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का सेवन करें। उन्होंने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि तेज धूप में लंबे समय तक रहने से चक्कर आना, उल्टी, बुखार और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। किसी भी प्रकार की तबीयत खराब होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करने की अपील की गई है। यह जानकारी बुधवार को दोपहर 1 बजे जारी की गई।

आचार्य सभापति शुक्ला को पत्नी शोक

पन्ना। आचार्य सभापति शुक्ला जी मूल निवासी रानीपुरा हाल निवास देवेन्द्रनगर सेसलेहा रोड इन्द्रप्रश्न आश्रम की पत्नी रामलली जी जिनकी उम्र 69 वर्ष थी का दिनांक 20 मई को प्रातः 4:30 पर देवलोक गमन वाराणसी मे हो गया। जिनका अंतिम संस्कार वाराणसी मे हरिशंचंद घाट मे हिन्दू रीतरिवाज से सम्पन्न हुआ है एवं जानकारी के अनुसार सभी कार्यक्रम वाराणसी से ही सम्पन्न होने है श्री मती शुक्ला अपने पीछे भारपुरा परिवार छोड़ गई है खबर सुनके समस्त छेत्र मे दुख की लहर दौड़ गई एवं नात रिश्ते दारों सहित छेत्र वाशियो ने श्रीमती शुक्ला की आत्मा की शांति एवं परिवार को इस दुख की घड़ी मे उबरने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

मोहंद्रा घाटी में भीषण सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

पवई। रैपुरा-मोहंद्रा सड़क मार्ग स्थित घाटी में मंगलवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पत्थर से लोड ट्रक और बाइक की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए।

जानकारी के अनुसार ग्राम गनयारी निवासी राजू यादव पिता नत्थू सिंह यादव उम्र 35 वर्ष अपनी बाइक से बहन के घर मझंगवा जा रहे थे। इसी दौरान मोहंद्रा की ओर से आ रहे पत्थर से भरे ट्रक से घाटी के मोड़ पर उनकी बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही मोहंद्रा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम पवई अस्पताल में कराए जाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। वहीं स्थानीय लोगों ने घाटी क्षेत्र में भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर रोक लगाने और सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने की मांग की है।

पन्ना में विस्थापित बांग्लादेशियों की जमीनों का हो रहा नामांतरण, आगामी चुनाव में वोटिंग का करेंगे बहिष्कार

पन्ना। पन्ना में 60 साल से रह रहे बंगाली समुदाय ने निजी लोगों के पट्टे उनकी जमीनों पर खुलने का लगाया आरोप कलेक्टर से की शिकायत। बांग्लादेश से विस्थापित बांग्लादेशी शरणार्थी पन्ना के कई गांव में पिछले कई सालों से निवास कर रहे हैं। इन बंगालियों के पन्ना में दर्जनों गांव स्थित हैं, जहां पर यह बंगाली समुदाय 60 वर्षों से निवास कर रहे हैं. इन गांव में अब निजी लोगों के पट्टे बंगाली समुदाय की जमीन पर खुल रहे हैं। इन विस्थापितों का आरोप है कि तहसीलदार द्वारा बिना जांच पड़ताल कर इन जमीनों का नामांतरण किया जा रहा है। बंगाली समुदाय ने जनसुनवाई के अलावा कलेक्टर से इस मामले की शिकायत की है। कलेक्टर ने विशेष टीम बनाकर जांच का आश्वासन बंगाली समुदाय को दिया है।

विस्थापित बांग्लादेशियों की जमीनों का हो रहा नामांतरण-

पन्ना तहसील अंतर्गत ग्राम रक्सेहा, जमुनाई, अहिरगुआ और बाबूपुर में बड़ी संख्या में बंगाली समुदाय निवास करता है। अहिरगुआ ग्राम पंचायत के सरपंच संजीव शुक्ला ने बताया, ष्भारत की तत्कालीन सरकार द्वारा साल 1965 ,1971 और 1983 में पन्ना में विस्थापित बांग्लादेशी शरणार्थियों को बसाया गया था। इन बंगालियों के पन्ना में दर्जनों गांव स्थित हैं, जहां पर यह बंगाली समुदाय 60 वर्षों से निवास कर रहे हैं। शासन द्वारा गांव में ही पुनर्वास ऑफिस खोला गया था लेकिन अब 60 साल बाद इन गांव में निजी लोगों के पट्टे खुल रहे हैं. उनकी अगली पीढ़ी इस जमीन का नामांतरण कर लोगों को बेच रही है और अब नए लोग इस जमीन पर अपना अधिकार जमा रहे हैं। तहसील द्वारा बिना जांच पड़ताल के ही नामांतरण किया जा रहा है। इसलिए यह बंगाली समुदाय अब अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

कलेक्टर से की शिकायत-

सरपंच संजीव शुक्ला ने बताया कि इस मामले को लेकर पूर्व में भी जनसुनवाई में शिकायत की थी। बंगाली समुदाय के प्रतिनिधि मंडल द्वारा पन्ना कलेक्टर से भी अलग से मुलाकात की गई और अपनी बात रखी गई। उन्होंने कहा, बंगाली समुदाय इस जमीन पर लगभग 60 वर्षों से काबिज हैं, जब यह जमीन उनको दी गई थी तो पथरीली, जंगल और वीरान थी. अब यह जमीन बंगाली समुदाय ने अपने खून पसीना से मेहनत कर उसे कृषि योग बना दिया है और अब इस जमीन पर निजी पट्टे खुल रहे हैं। इसलिए बड़ा विवाद खड़ा हो रहा है। उन्होंने कहा, बंगालियों ने यह जमीन खुद अधिग्रहण नहीं की थी बल्कि सरकार द्वारा इस जमीन को अधिग्रहण कर इन बंगालियों को बसाया गया था और इसके लिए सरकार द्वारा व्यवस्थित शासकीय कार्य योजना के तहत इन गांव में पुनर्वास ऑफिस भी स्थापित करवाया गया था। लेकिन अब यह पुनर्वास ऑफिस बंद हो चुका है और सरकार के अधिकारी रिकॉर्ड मांग रहे हैं। जब सरकार के पास खुद रिकॉर्ड नहीं है तो यह बंगाली समुदाय कहां से रिकॉर्ड देगा। पन्ना कलेक्टर ने बंगाली समुदाय को दिया जांच का आश्वासन पन्ना कलेक्टर श्रीमती उषा परमार ने बंगाली समुदाय को आश्वासन दिया गया है कि तुरंत ही एक विशेष टीम की बैठक कर पूरे मामले को निराकरण किया जाएगा और गांव में टीम पहुंच कर वस्तुस्थिति जानी जाएगी. इसके बाद आगे निर्णय लिया जाएगा।

ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में पवई की सभी मेडिकल रही बंद

एकत्रित हो कर पहुंचे तहसीलदार कार्यालय
प्रधान मंत्री के नाम नायाब तहसीलदार को सौप ज्ञापन

पवई। नगर में बुधवार 20 मई को समस्त दवा दुकानें बंद रही । यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा जारी जीएसआर 817(ई) एवं जीएसआर 220 के विरोध में लिया गया है, जिन्हें दवा व्यापारियों ने अवैध ऑनलाइन फार्मेसी एवं अवैध ई-प्रिसक्रिप्शन को बढ़ावा देने वाला बताया है। इस संबंध में दवा व्यापारियों द्वारा ऑल इंडिया कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के तत्वाधान दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि ऑनलाइन फार्मेसी के माध्यम से बिना उचित जांच और नियमों के दवाइयों की बिक्री की जा रही है, जिससे छोटे व्यापारियों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। दवा व्यापारियों का कहना है कि सरकार की नई व्यवस्थाओं के चलते देशभर के छोटे मेडिकल संचालकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। साथ ही बिना डॉक्टर की उचित निगरानी के ई-प्रिसक्रिप्शन के जरिए दवाइयों की उपलब्धता आम जनता के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ साबित हो सकती है। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि छूटऔर ऑनलाइन सुविधा के नाम पर आम लोगों से लूट की जा रही है तथा दवाइयों के गलत उपयोग का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल क्षेत्र सीधे लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही घातक साबित हो सकती है। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को अवगत कराते हुए दवा व्यापारियों ने बताया की एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन पर पवई नगर की सभी मेडिकल दुकानें बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया गया । व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध ऑनलाइन फार्मेसी और नियम विरुद्ध ई-प्रिसक्रिप्शन व्यवस्था पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा की जाए। दवा व्यापारियों के इस निर्णय से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है। ऐसे में आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था पहले से कर लें, ताकि किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। ज्ञापन देने वालों में अजय मेडिकल जगन्नाथ मेडिकल, कामदनाथ मेडिकल, जय श्री राम मेडिकल,कान्हा मेडिकल, रमेश मेडिकल, कृष्णा मेडिकल, मा कलेही मेडिकल, न्यू मा गायत्री मेडिकल, गजानन मेडिकल,अंशिका, सार्थक, हिन्द मेडिकल, आर आर मेडिकल, सिटी साइन मेडिकल, सुशील मेडिकल, मेडिकल के संचालको ने ज्ञापन दिया है।

श्री जुगल किशोर मंदिर में भागवत कथा के तीसरे दिन उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, संगीतमय भजनों पर झूमे भक्त

पन्ना। बुंदेलखंड की ऐतिहासिक नगरी पन्ना के आराध्य देव श्री जुगल किशोर जी मंदिर में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। उपाध्याय परिवार द्वारा आयोजित इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान में सोमवार को कलश यात्रा और घट स्थापना के बाद बुधवार को कथा के तृतीय सोपान पर पूरा परिसर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।कथा के मुख्य श्रोता स्वर्गीय श्री मोतीलाल उपाध्याय की धर्मपत्नी श्रीमती इंद्रा उपाध्याय, उनकी पुत्रवधू श्रीमती दीप्ति उपाध्याय (पति स्वर्गीय श्री ब्रजेश उपाध्याय) एवं समस्त उपाध्याय परिवार ने व्यासपीठ का विधि-विधान से पूजन कर आरती उतारी।

भक्ति और ज्ञान का अद्भुत संगम-

सुप्रसिद्ध कथाव्यास आचार्य श्री बद्री विशाल समदरिया जी महाराज ने तृतीय दिवस की संगीतमय कथा में भगवान के दिव्य अवतारों का वर्णन किया। महाराज श्री ने कपिल-देवहूति संवाद और ध्रुव चरित्र के प्रसंग को अत्यंत मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भक्ति के लिए आयु की नहीं, बल्कि शुद्ध हृदय और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है। जैसे बालक ध्रुव ने अपनी अटूट भक्ति से नारायण को प्राप्त किया, वैसे ही कलयुग में केवल हरि नाम संकीर्तन से ही जीव का कल्याण संभव है।

भजनों पर थिरके श्रद्धालु-

कथा के दौरान गायक दल द्वारा प्रस्तुत किए गए संगीतमय भजनों और धार्मिक जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। भजनों की मधुर धुनों पर मुख्य यजमान परिवार सहित उपस्थित स्थानीय माताएं और श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। शाम को महाआरती के बाद उपस्थित जनसैलाब को महाप्रसाद का वितरण किया गया। यह दिव्य कथा आगामी 24 मई 2026 तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से प्रभु इच्छा तक निरंतर जारी रहेगी।

पूरे जिले की दवा दुकानें रही बंद, दवा के लिए परेशान रहे मरीज

पन्ना। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (।प्व्ब्) के आह्वान पर दिनांक 20 मई 2026 को देशभर के केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स द्वारा अवैध एवं अनियंत्रित ऑनलाइन दवा बिक्री तथा जन स्वास्थ्य एवं लाखों छोटे केमिस्ट्स के अस्तित्व से जुड़े गंभीर मुद्दों के विरोध में एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल सफलतापूर्वक आयोजित की गई। जिसमें मध्य प्रदेश राज्य केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आह्वान पर पन्ना जिले के सभी केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स ने अपने प्रतिष्ठान पूर्णतः बंद रखकर आंदोलन को सर्वसम्मति से समर्थन प्रदान किया। हड़ताल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा गया। पन्ना जिले में दवा दुकानें बंद होने का खासा असर रहा जिला मुख्यालय से लेकर तहसील स्तर तक पूर्ण रूप से दवा प्रतिष्ठान बंद रहे। जिससे आम लोगों को ल मरीजों को भारी परेशानी भी हुई लेकिन पूर्व में ही समाचार पत्रों मीडिया के माध्यम से सभी को अवगत करा दिया गया था पन्ना जिला मुख्यालय से लेकर अमानगंज सिमरिया मोहंद्रा शाहनगर पवई अजयगढ़ सलेहा देवेंद्र नगर गुनौर रैपुरा बोरी बनौली सुनवानी सहित छोटे कस्बों तक में दवा की दुकानें बंद रही हैं इस प्रकार हड़ताल का व्यापक असर देखा गया जिला दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष श्रीकांत दीक्षित सचिव जयराज पाटकर ने कहा कि यदि ज्ञापन में दिए गए बिंदुओं पर केंद्र सरकारद्वारा गंभीरता पूर्व विचार नहीं किया जाता है तो आगामी समय में ऑल इंडिया केमिस्ट ड्रगिस्ट संघ के आवाहन पर आंदोलन भी किया जाएगा।

व्यापारी के साथ लूट के मामले में मडला थाना प्रभारी सहित दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ आपराधिक मामला तत्काल दर्ज हो-अनीश खान

जिले में उड़ाया जा रहा कानून का मखौल केवल निलंबित करना कोई सजा नहीं

पन्ना। जिले के मडला थाने में रीवा के एक निर्दोष व्यापारी को बंधक बनाकर योजनाबद्ध तरीके से की गई कथित लूट और अवैध वसूली की घटना ने पन्ना पुलिस के श्देशभक्ति-जनसेवाश के नारे को पूरी तरह तार-तार कर दिया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने इस पूरे घटनाक्रम पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। जिले की प्रशासनिक व्यवस्था मंय व्याप्त भ्रष्टाचार और निष्पक्ष कार्रवाइयों के अभाव के कारण ही मातहत अधिकारियों कर्मचारियों के हौसले इतने बुलंद हैं, जिसका खामियाजा पन्ना की जनता और अब आगंतुकों को भुगतना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश के मुखिया मोहन यादव जिनके पास गृह विभाग भी है यह सभी जानकर भी अंजान क्यूं बने हुए हैं? आपके नेतृत्व में पन्ना पुलिस किसको सुरक्षा प्रदान कर रही है यह अब किसी से छुपा नहीं है, दोषी निलंबित पुलिस कर्मी कब आशीर्वाद स्वरूप बहाल हो जाए उससे पहले चिह्नित दागियों को जेल भेजना आपकी प्राथमिकता में होना चाहिए। केवल निलंबन न्यायसंगत नहीं, यह प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि श्संगठित अपराधश है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीश खान ने अपने कड़े वक्तव्य में कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जांच में दोषी पाए जाने के बाद भी आरोपियों को महज ष्निलंबितष कर देना न्याय का गला घोंटने जैसा है। पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा किया गया यह कृत्य कोई विभागीय या प्रशासनिक लापरवाही नहीं थी। यह बकायदा योजना बनाकर, व्यापारी को बंधक बनाकर की गई डकैती और जबरन वसूली का गंभीर मामला है। जब वसूली की राशि बरामद हो चुकी है और अपराध सिद्ध हो चुका है, तो आम अपराधियों की तरह इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल आपराधिक मामला (दर्ज क्यों नहीं किया गया? उक्त मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक पन्ना तथा कलेक्टर पन्ना की नैतिक जिम्मेदारी बनती है की जो जिस स्तर का दोषी है उसे वहीं सजा मिलना चाहिए । उक्त मामले को लेकर सवालभी उठ रहे हैं स्थानीय लोगों में आक्रोश है दोषियों ने अपने बुलंद हौसले के चलते आपकी कार्यप्रणाली और नैतिक जिम्मेदारी को कटघरे में खड़ा कर दिया है। श्री खान ने पुलिस अधीक्षक से अपील करते हुए कहां की पन्ना की जनता आपसे न्यायप्रियता और खाकी का सम्मान बरकरार रखने की उम्मीद करती है। दोषियों पर सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जेल भेजना ही समय की मांग है, ताकि जनता में पुलिस का खोया विश्वास बहाल हो सके। कांग्रेस पार्टी ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि पन्ना में अपराधियों और भ्रष्ट अधिकारियों का ष्खुल्ला खेल फर्रुखाबादीष अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा और जनता के भरोसे को कायम रखने के लिए कांग्रेस पूरी ताकत से लड़ेगी। जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि इस मामले में रसूखदारों या खाकीधारियों को बचाने के लिए किसी भी प्रकार का भेदभाव किया गया, या मामले को रफा-दफा करने की कोशिश हुई, तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी और सड़कों पर उतरकर चक्काजाम करेगी, जिसकी संपूर्ण नैतिक जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन तथा जिला प्रशासन की होगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय समिति की बैठक

पन्ना। सर्वोच्च न्यायालय के जारी निर्देशों के परिपालन में जिला कलेक्टर द्वारा आवारा श्वानों एवं बेसहारा पशुओं के समुचित प्रबंधन सहित दुर्घटनाओं और समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। इस समिति की प्रथम बैठक का आयोजन बुधवार को कलेक्टर ऊषा परमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। इस अवसर पर जारी एसओपी अनुसार आवारा पशुओं के विभागवार जरूरी प्रबंधन सहित सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत विभिन्न स्तर पर समन्वय एवं समिति गठन पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने कहा कि निकाय, पंचायत और अनुविभाग स्तर पर भी शीघ्र समितियों का गठन कर लें। विशेषज्ञों एवं एनजीओ की मदद से अन्य आवश्यक उपाय भी किए जाएं। एंटीरैबीज टीकाकरण और नसबंदी की व्यवस्था के लिए समय पर समुचित प्रयास एवं तैयारी के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने आवारा श्वानों को निर्धारित स्थल पर ही आवश्यकतानुसार भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा। उपस्थितजनों से आवश्यक सुझाव प्राप्त कर क्रमशः आवश्यक

प्रबंध एवं उपायों के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में एनीमल बर्थ कंट्रोल सेंटर की स्थापना एवं बेहतर संचालन सहित नगर पालिका को पशुओं को पकड़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करने तथा आश्रय स्थल की स्थापना की कार्यवाही के लिए भी जरूरी निर्देश दिए गए। बैठक में शैक्षणिक संस्थाओं में भी समितियों के गठन तथा एंटीरैबीज वैक्सीनेशन के लिए पुनः अभियान संचालित करने पर सार्थक चर्चा हुई। पीओ डूडा द्वारा बैठक में नगरीय क्षेत्रों में प्रस्तावित एवं कार्यरत श्वान आश्रय स्थल सहित नगरीय निकायों में श्वान आश्रय स्थल की क्षमता तथा श्वान पकड़ने के लिए वाहन एवं प्रशिक्षित कार्मिकों की जानकारी से अवगत कराया गया। नगर पालिका क्षेत्र पन्ना में प्रस्तावित श्वान बधियाकरण केन्द्र की जानकारी भी दी गई। साथ ही निगरानी समितियों के नगरीय क्षेत्रवार गठन तथा नगरीय निकाय पन्ना, देवेन्द्रनगर, ककरहटी एवं पवई में एक-एक तथा गुनौर नगरीय क्षेत्र में दो स्थानों पर सामुदायिक श्वानों के भोजन स्थल की व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी सहित जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार तलैया, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण शशिकपूर गढपाले, सीएमओ उमाशंकर मिश्रा, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें डॉ. एन.के. गुप्ता, उप संचालक कृषि ओ.पी. तिवारी भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

यातायात पाठशाला में एकेडमी के छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

छतरपुर। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले के सार्वजनिक स्थान, शैक्षणिक संस्थानों में निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज यातायात पुलिस द्वारा एकेडमी में यातायात पाठशाला कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 200 छात्र छात्राओं और अध्यापकों ने भाग लिया। प्रभारी यातायात निरीक्षक बृहस्पति साकेत द्वारा छात्र छात्राओं से संवाद कर उन्हें यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा एवं गोल्डन ऑवर के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को यातायात संकेतों, सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु, शारीरिक एवं आर्थिक क्षति से संबंधित जानकारी देते हुए बताया गया कि यातायात नियमों का पालन आवश्यक एवं सरल है। छात्राओं से आग्रह किया गया कि वे स्वयं भी नियमों का पालन करें और अपने परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करें। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य बताया गया। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग से होने वाले खतरे बताए गए। वाहन चेकिंग अभियान, चालानी कार्यवाही एवं ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी नियमों की जानकारी दी। बताया गया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण एवं लाइसेंस होने पश्चात ही वाहन चलायें। कार्यक्रम में गोल्डन ऑवर की महत्ता समझाते हुए राहवीर योजना की जानकारी दी गई, जिसके अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को शीघ्र उपचार दिलाने पर सहयोगी को शासन द्वारा प्रोत्साहन राशि एवं व्यय प्रतिपूर्ति प्रदान की जाती है। इस शिक्षा सत्र में कॉम्पेटेटिव परीक्षा देने वाले सभी छात्र छात्राओं को प्रोफेशनल एथिक्स, परीक्षा की तैयारी, टाइम मैनेजमेंट, करियर गाइडेंस आदि की जानकारी भी विस्तार से दी गई, जो कि आगामी परीक्षाओं में तैयारी कर रहे छात्र छात्राओं को मार्गदर्शन देने में सहायक होगी।

मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना बनी ग्रामीण समृद्धि की नई कहानी

छतरपुर। जिले के एक छोटे से गांव की सुबह अब पहले जैसी नहीं रही। पहले जहां घरों में रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की चिंता रहती थी, वहीं अब कई परिवारों के चेहरे पर आत्मविश्वास और खुशहाली की चमक दिखाई देने लगी है। इस बदलाव की वजह बनी है पशुपालन विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में जिले में इस योजना को गंभीरता और तत्परता से लागू किया गया। वर्ष 2025-26 में 50 हितग्राहियों के लक्ष्य के अंतर्गत अब तक 12 ग्रामीण परिवारों को उनकी इच्छानुसार दो-दो उन्नत मुर्रा नस्ल की भैंसें उपलब्ध कराई गईं। इसके पहले भी 15 हितग्राहियों को लाभ मिल चुका है।इनमें आशाराम आदिवासी, दयाशंकर अहिरवार, प्रियंबदा रावत, राजेश यादव, राम रतन प्रजापति, आनंद पटेल, दयाराम राजपूत, रामदास पाल, मनोज राजपूत, मंगल सिंह राजपूत और संतोष तिवारी जैसे पशुपालक शामिल हैं, जिनकी जिंदगी अब धीरे-धीरे बदल रही है। गांव के आशाराम आदिवासी बताते हैं कि पहले परिवार की आमदनी सीमित थी और खर्च पूरे करना मुश्किल हो जाता था। लेकिन अब उनकी मुर्रा नस्ल की भैंसें प्रतिदिन लगभग 10 से 12 लीटर दूध दे रही हैं। दूध बेचने से घर की नियमित आय बढ़ी है और बच्चों की पढ़ाई से लेकर घर की जरूरतें आसानी से पूरी होने लगी हैं।योजना की सबसे खास बात यह रही कि सामान्य एवं ओबीसी वर्ग के हितग्राहियों को 50 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को 75 प्रतिशत तक अनुदान दिया गया। इतना ही नहीं, भैंसों के चयन से लेकर उन्हें घर तक पहुंचाने और वापस लौटने तक का पूरा खर्च भी शासन ने उठाया।

ऑनलाईन दबा बिक्री के विरोध में बंद रही मेडीकल दुकानें, रैली निकालकर दिया ज्ञापन

छतरपुर। ऑनलाईन दबा की बिक्री होने से मेडीकल व्यापारियों का व्यापार काफी प्रभावित हो रहा है। जिसका विरोध करते हुए सभी मेडीकल व्यवसाईयों ने अशोक पटैरिया के नेतृत्व में मेडीकल दुकानें बंद रखी और छत्रसाल चौराहे से रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट पुहंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। हालांकि मेडीकल दुकानें बंद रहने से दबा खरीदी प्रभावित हुई, फिर भी प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से दबा वितरण की व्यवस्था की गई थी। यह हड़ताल आल इंडिया केमिस्ट एण्ड ड्रगिइस्ट एसोशियसन के आवाहन पर की गई थी। जिससे जिले के सभी दबा व्यापारियों ने हड़ताल करते हुए अपनी दुकानें बंद रखी। अचानक मेडीकल दुकानें बंद होने से मरीजों और उनके परिजनों को दबा खरीदनें में परेशानी का सामना करना पड़ा।

केमिस्ट एसोसियसन का कहना है कि उनकी मुख्य मांग ऑनलाईन दबा बिक्री पर रोक लगाने, कॉरपोरेट कंपनीयों द्वारा भारी डिस्काउट बंद करने और नकली दवाईयों पर सख्त कार्यवाही की मांग की गई है। दबा व्यापारियों का आरोप है कि आनलाईन और बड़े कॉरपोरेट प्लेटफार्म के कारण छोटे मेडीकल व्यवसाईयों का कारोबार पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। और नकली दबाई बिना सही जांच बाली दबाईयों का खतरा भी बढता जा रहा है। आज के इस बंद मे छतरपुर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक की अधिकांश मेडीकल दुकानें बंद रही। हालांकि कुछ जरूरी सेवाओं से जुड़े मेडीकल स्टोर सीमित रूप से खुले रहे। दबा व्यापारियों ने सरकार से मांग की है कि मरीजों की सुरक्षा और छोटे व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऑनलाईन दबा बिक्री के नियम कड़े किए जाऐं, वहीं हड़ताल को लेकर एक दिन पहले ही मेडीकल एसोसियशन द्वारा घोषणा कर दी गई थी, ताकि किसी को परेशानी ना हो सके। जिला प्रशासन ने प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों मे दबा बिक्री के लिए पूरे प्रबंध किए थे। इस प्रदर्शन में भारी संख्या में मेडीकल व्यापारी शामिल हुए और अपनी मांग को बुलंद किया।

एसोसियशन का आरोप है कि बिना किसी स्पष्ट बैधानिक प्रावधान के ऑनलाईन कंपनियां बर्षो से दबा की बिक्री कर रही है, फर्जी ई-प्रिसक्रिपशन बिना चिकित्सकीय परामर्श के घर घर दबा वितरण जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। इससे छोटे और लाईसेंसधारी केमिस्टों का कारोबार प्रभावित हो रहा है।

बस और ट्रैक्टर की आमने-सामने भिड़ंत, ट्रैक्टर बीच से टूटकर दो हिस्सों में बंट गया

नौगांव।

थाना क्षेत्र अंतर्गत सेलिब्रेशन होटल के सामने बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे एक तेज रफ्तार बस और ट्रैक्टर की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में ट्रैक्टर बीच से टूटकर दो हिस्सों में बंट गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गुप्ता बस क्रमांक एमपी16 पी 1099 और ट्रैक्टर दोनों ही तेज गति से आ रहे थे। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर के दो हिस्से हो गए और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल नौगांव थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए नौगांव अस्पताल भिजवाया। वहीं दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस ने कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

शराब में जहर देकर युवक की हत्या का आरोप, तिराहा जाम

छतरपुर। जिले के बमनौरा थाना अंतर्गत एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो जाने पर परिजनों ने शराब में जहर देकर हत्या का आरोप लगाते हुए बमनौरा हीरापुर तिराहा में शव रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजनों का आरोप है कि गांव के ही दो लोगों ने शराब में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिलाई जिससे उसकी मौत हो गई, घटना को लेकर तनाव बना हुआ है। परिजनों का कहना है कि शराब पीने के बाद स्थिति खराब हुई और ईलाज के दौरान मौत हो गई। बमनौरा थाना के ग्राम दलीपुर निवासी भगवानदास पाल को गांव के लखन पाल, गनेशी पाल ने शराब में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिलाया था। परिजनों के अनुसार शराब पीने के बाद ही भगवानदास पाल की तबियत खराब हुई और बाद में उसकी मौत हो गई। इस घटना से आक्रोषित परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव रखकर प्रदर्शन किया। और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर डटे रहे। चक्काजाम के कारण सड़क के दोनों ओर लम्बी लम्बी लाइन लग गई और यातायात प्रभावित हुआ। परिजनों ने थाना प्रभारी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रहे है। इसलिए मामले में निष्पक्ष कार्यवाही नहीं की जा रही है परिजनों ने पुलिस पर लेनदेन के आरोप भी लगाए, वहीं पुलिस के समझाने के बाद परिजन माने और पुलिस ने जांच का भरोसा दिया। सूचना मिलते ही पुलिस के बरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों से चर्चा कर उन्हें निष्पक्ष जांच और उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। फिर भी परिजन चक्काजाम खोलने को तैयार नहीं थे। बाद में परिजनों ने चक्काजाम खोला पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

सरकारी जमीन पर नाला खुदाई को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

महाराजपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मऊ में शासकीय जमीन पर नाला खुदाई को लेकर दो पड़ोसी पक्षों के बीच विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। कई लोगों के सिर फूट गए और उन्हें लहूलुहान हालत में महाराजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम मऊ में प्रेमचंद, जयहिंद, प्रमोद एवं अनिल द्वारा शासकीय भूमि पर नाला खुदाई का कार्य कराया जा रहा था। इसी दौरान पड़ोसी नरेश पटेल ने जमीन का सीमांकन होने तक खुदाई कार्य रोकने की बात कही। बताया जा रहा है कि सीमांकन को लेकर दोनों पक्षों में पहले से विवाद चला आ रहा था और अधिकारियों से शिकायत भी की गई थी। बुधवार 20 मई को दोपहर करीब 12 बजे दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और विवाद अचानक हिंसक हो उठा। देखते ही देखते दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे और मामला खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। संघर्ष में एक पक्ष के नरेश पटेल पिता रामसेवक पटेल उम्र 34 वर्ष के सिर, कान के ऊपर एवं माथे में गंभीर चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं परिवार के अन्य सदस्य भी घायल बताए गए हैं।

आधा दर्जन से अधिक घायल

दूसरे पक्ष के अनिल पिता राजेश पटेल के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि आसाराम पिता बैजनाथ के दाहिने पैर में गंभीर चोट लगने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा प्रेमचंद, जयहिंद एवं प्रमोद पटेल भी घायल हुए हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए महाराजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉ. आलोक चौरसिया द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। विवाद के कारणों एवं मारपीट में शामिल लोगों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

महंत किशोर दास महाराज का जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया

दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों को फल वितरित कर किया सेवा कार्य, भक्तिमय माहौल में उतारी आरती

छतरपुर। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध रसिक संत एवं राधा रानी से सखी भाव रखने वाले महंत किशोर दास देव जी महाराज का जन्मोत्सव विगत दिवस श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। श्रीधाम वृंदावन स्थित गोरी लाल कुंज के पूज्य महंत किशोर दास देव जी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर स्थानीय मोटे के महावीर मंदिर प्रांगण में शिष्यगण एकत्रित हुए और महाराज श्री के चित्र का पूजन-अर्चन किया। श्रद्धालुओं ने पुष्प अर्पित कर भक्ति भाव से आरती उतारी तथा उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

जन्मोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत शिष्यगण शहर की देरी रोड स्थित निरवाना फाउंडेशन पहुंचे, जहां रह रहे दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों को फल भेंट किए गए। इस दौरान बच्चों के बीच मिठास और आत्मीयता का माहौल देखने को मिला। फाउंडेशन के संचालक संजय सिंह ने महाराज श्री का जन्मोत्सव बच्चों के साथ मनाने के इस अवसर को सराहनीय बताते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन एवं धार्मिक आयोजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। दिव्यांग बच्चों ने गीत प्रस्तुत कर महाराज श्री के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस सेवा कार्य की उपस्थित लोगों ने मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर अमित भैया, कमल अवस्थी, सत्यम चतुर्वेदी, आशीष गंगेले, ब्रजराज तिवारी सहित बड़ी संख्या में शिष्यगण उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में बढ़ा तनाव, थाने में पीड़ित पक्ष को धमकी देने का आरोप; कार्रवाई की मांग

बकस्वाहा। थाना क्षेत्र के ग्राम देवपुर में एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म की वारदात के बाद से पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश और तनाव का माहौल व्याप्त है। इस संवेदनशील मामले को लेकर पीड़ित पक्ष और ब्राह्मण समाज के नागरिकों ने एकजुट होकर पुलिस अधीक्षक तथा कलेक्टर के नाम एक शिकायती आवेदन सौंपा है, जिसमें आरोपी के खिलाफ अत्यंत कठोर दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।प्रशासन को सौंपे गए आवेदन के अनुसार, बीती रात एक नाबालिग युवक ने बालिका को अपनी हवस का शिकार बनाया। इस घिनौनी वारदात के बाद जब पीड़ित परिवार और ब्राह्मण समाज के लोग न्याय की गुहार लेकर बकस्वाहा थाने पहुंचे, तो वहां स्थिति और बिगड़ गई। आरोप है कि उसी दौरान आरोपी पक्ष की ओर से उसकी मां और देवपुर निवासी चंद्रभाव अहिरवार भी थाने आ धमके। उन्होंने पीड़ित पक्ष पर मामले को रफा-दफा करने और राजीनामा करने का अनुचित दबाव बनाना शुरू कर दिया। जब पीड़ित पक्ष ने इसका विरोध किया, तो आरोपी पक्ष के लोगों ने थाना परिसर के भीतर ही समाज के लोगों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि आरोपी पक्ष द्वारा थाने में की गई यह पूरी अभद्रता और गुंडागर्दी वहां परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो चुकी है, जिसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। समाज के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित पक्ष को डराने-धमकाने वाले आरोपी पक्ष के लोगों के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज किया जाए। इसके साथ ही, आरोपी के अतिक्रमणकारी मकान की जांच कराकर उसे ढहाने जैसी सख्त प्रशासनिक कार्रवाई अमल में लाई जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

बेटियों की सुरक्षा के लिए मातृशक्ति का संकल्प

दुष्कर्म, गैंगरेप और हत्या की घटनाओं पर जताया आक्रोश, गांव-गांव जाकर समाज को करेंगे जागरूक

छतरपुर। शहर के गांधी आश्रम में विभिन्न महिला संगठनों की महिलाओं द्वारा जिले और प्रदेश में लगातार बढ़ रही दुष्कर्म, गैंगरेप, अत्याचार एवं नाबालिग बच्चियों के साथ हो रही घटनाओं को लेकर चिंतन-मनन बैठक आयोजित की गई। बैठक में हाल ही में बस स्टैंड क्षेत्र में नाबालिग के साथ हुई गैंगरेप की घटना तथा एक नीट छात्रा को बंधक बनाकर दुष्कर्म किए जाने जैसी घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कड़ी निंदा की गई। बैठक में महिलाओं ने कहा कि केवल कानून और प्रशासन के भरोसे ऐसी घटनाओं पर रोक लगाना संभव नहीं है। समाज को जागरूक करना और बेटियों की सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाना जरूरी है। इसके लिए महिला संगठन अब गांव-गांव जाकर लोगों को बेटियों की सुरक्षा, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करेंगे।

महिलाओं ने मांग उठाई कि बस स्टैंड क्षेत्र की बंद पड़ी पुलिस चौकी को शीघ्र प्रारंभ किया जाए तथा शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। उनका कहना था कि पुलिस को जनता के बीच लगातार संवाद स्थापित करना चाहिए, जिससे लोगों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत हो सके। साथ ही माता-पिता से भी अपील की गई कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान दें। बैठक में बड़ा मलहरा की उस मासूम बच्ची का मामला भी उठाया गया, जिसके साथ दुष्कर्म के बाद पत्थरों से कुचलकर हत्या कर दी गई थी। महिलाओं ने कहा कि आरोपियों को सजा मिलने के बाद भी पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटक रहा है और बच्ची के पिता दोषियों को कठोरतम सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। महिला संगठनों ने एक स्वर में कहा कि बेटियों की सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। समाज को जागरूक कर ही सकारात्मक बदलाव संभव है और इसी उद्देश्य के साथ मातृशक्ति अब जनजागरण अभियान चलाएगी। बैठक में प्रभा वैद्य, दीप्ति जैन, शुभा खरे, मर्जिना बानो, रजनी सिंह परमार, अनवरी खातून, अनुराधा जाटव, अक्षरा कुशवाहा, पूजा अहिरवार, उर्मिला अहिरवार, हीरा देवी चंदेल, दमयंती, शिवानी सिंह सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

एनटीपीसी विंध्याचल सीएसआर द्वारा उत्साहपूर्वक किया गया "स्वच्छता पखवाड़ा 2026" का शुभारंभ

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा सेडमैप भोपाल के सहयोग से अपने सीएसआर कार्यक्रमों के अंतर्गत "स्वच्छता पखवाड़ा 2026" का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस अभियान में जिले के युवाओं हेतु संचालित आर्मी एवं पुलिस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम एनटीपीसी विंध्याचल की स्वच्छता, नागरिक जिम्मेदारी एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जो दीपज्ञान कोचिंग संस्थान से प्रारंभ होकर चुंगकुमारी स्टेडियम तक गई एवं पुनः वहीं वापस पहुँची। रैली के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं साफ-सफाई के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों ने स्वच्छता संबंधी संदेशों वाले नारों एवं पोस्टरों के माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास किया।इस अवसर पर युवाओं में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने हेतु स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं जिम्मेदार नागरिकता विषय पर क्विज एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए।कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही अन्य प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए ताकि युवाओं में सकारात्मक सहभागिता की भावना को बढ़ावा मिल सके।उक्त कार्यक्रम में श्री डेविड देशमुख (अधिकारी-मा. संसाधन सीएसआर) एवं उनकी टीम व सेडमैप भोपाल कोर्डिनेटर श्री अशोक त्रिपाठी व कोचिंग संस्थान के शिक्षकगण उपस्थित रहे । छात्रों द्वारा एनटीपीसी द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान की सराहना करते हुए कहा गया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन से हम सभी छात्रों को स्वच्छता जैसे कार्यक्रम में सम्मिलित होने की प्रेरणा मिली ।

एनटीपीसी विंध्याचल में बालिका सशक्तिकरण अभियान, 2026 की बालिकाओं का हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जन्मदिवस

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल में बालिका सशक्तिकरण अभियान 2026 की प्रतिभागी बालिकाओं सौम्या शाह, रिया बिंद, ममता तिवारी, महिमा सिद्दीकी एवं अंजलि शाह का जन्मदिवस बड़े उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष केक कटिंग समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सभी बालिकाओं ने आनंदपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुहासिनी संघ की सभी वरिष्ठ पदाधिकारिगण उपस्थित रही। साथ ही इस अवसर पर मानव संसाधन प्रमुख(विंध्याचल) श्रीमती रुमा दे शर्मा, अपर महाप्रबंधक(मानव संसाधन) श्रीमती मृणालिनी, अपर महाप्रबंधक(मानव संसाधन) प्रणव वर्मा, उप महाप्रबंधक(मानव संसाधन) श्रीमती कामना शर्मा तथा उप महाप्रबंधक(सीएसआर एवं आर एंड आर) श्री माहताब आलम भी उपस्थित रहे और बालिकाओं को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान बालिकाओं में उत्साह, आत्मीयता एवं खुशी का वातावरण देखने को मिला। इस आयोजन ने न केवल प्रतिभागियों के लिए यादगार पल संजोए, बल्कि जेम 2026 के अंतर्गत उन्हें परिवार जैसा स्नेह एवं प्रोत्साहन भी प्रदान किया।

खेत तालाबों की न्यून प्रगति वाले सेक्टरों में लेबर बढ़ाकर कार्य में प्रगति बढ़ाएं: कलेक्टर

पंचायतों व सेक्टरों के कार्यों में खराब प्रगति पर उपयंत्री की 3-3 दिवस की वेतन काटने के निर्देश

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने वीसी के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान के जनपदों में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री जैसवाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के खेत तालाबों व वाटर कन्जर्वेशन के कार्यों की जनपदवार समीक्षा करते हुए न्यून प्रगति वाले सेक्टरों में लेवर बढ़ाकर कार्यों में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने खेत तालाबों के कार्यों में खराब प्रगति, कम लेवर लगाने पर नौगांव सेक्टर के उपयंत्री रामप्रकाश गुप्ता व स्माईल खान की 3-3 दिवस की वेतन काटने एवं छतरपुर सहायक यंत्री की एक वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने के संबंध में नोटिस जारी करने के निर्देश दिए एवं गौरिहार की रेवना पंचायत में सचिव के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही बड़ामलहरा में उपयंत्री राजेश श्रीवास्तव की 3 दिवस की वेतन काटने व सहायक यंत्री की 1 वेतन वृद्धि रोकने संबंधी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सेक्टर व पंचायतों में जनपद सीईओ व सहायक यंत्री को सचिवों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि जल संवर्धन के कार्यों में स्वीकृत राशि के विरूद्ध व्यय राशि बढ़ाएं और लेबर बढ़ाकर व मटेरियल के बिल फीड कर कार्यों की पूर्णता प्राप्त करें।

खबर संक्षेप

स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न

रीवा । नगरीय निकाय तथा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम को अवगत कराने के उद्देश्य से स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुत की गई और इसके विभिन्न तकनीकी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों की फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 15 मई को किया गया। मतदाता सूची को त्रुटिहीन और अपडेटेड बनाने के लिए नागरिकों से दावे और आपत्तियाँ आमंत्रित की गई हैं। मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने, संशोधन करने अथवा किसी भी प्रकार के दावे-आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए 25 मई तक की अवधि निर्धारित की गई है। इस दौरान संबंधित मतदान केंद्रों और निर्धारित स्थलों पर आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इस अवसर पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि को मतदाता सूची का वितरण भी किया गया। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार बेक, हेमंत त्रिपाठी, सुपरवाइजर सुरेन्द्र मिश्रा सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में 469 युवाओं को मिला रोजगार, युवाओं ने बढ़-चढ़ कर की भागीदारी

रीवा । युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का प्रतिमाह आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में श्री कृष्णा फार्मेसी कॉलेज मनगवां में वृहद रोजगार मेला आयोजित किया गया। मेले में 680 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 18 कंपनियों ने 469 युवाओं का चयन किया। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में हायर अप्लायंसेस इंडिया लि. रंजनगांव पूणे में 33, जैबिल सर्किट इंडिया लि. रंजनगांव में 36, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बैंगलोर में 4, टाटा मोटर्स प्रा. लि. सानन्द अहमदाबाद गुजरात में 30, सुप्रीम ट्रॉयन प्रा. लि. चाकन पूणे में 9, टीवीएस आटोमोबाइल कंपनी में 14, इलेक्ट्रानिक्स मोबाइल में 9, एमआरएफ टायर्स भारूच गुजरात में 8, याजाकी इंडिया लि. हरियाणा में 30, डिक्सन टेक्नालॉजी नोयडा में 30, आरव्ही लाईफसाइंस लि. औरांगाबाद में 6, डिस्पोसेफ हेल्थ एवं लाइफ केयर लि. फरीदाबाद में 45, मनी सैल्यूशन प्रा. लि. जनकपुरी न्यू डेल्ही में 42, जेके टायर्स एण्ड इंडस्ट्रीज लि. वानमोर मुरैना में 30, सीआईआई एमसीसी इंदौर में 45, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा में 54, एचडीएफसी लाईफ इश्योरेंस कंपनी लि. रीवा में 20 और प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा में 24 युवाओं का चयन किया गया। रोजगार मेले के सफल आयोजन में जिला रोजगार कार्यालय, श्री कृष्णा फार्मेसी कॉलेज के अधिकारियों, कर्मचारियों का योगदान रहा।

उपार्जन केंद्रों में डंप पड़ा हजारों क्विंटल गेहूं, अनाज का उठाव न होने से किसानों के खाते में नहीं पहुंची राशि, समस्याओं से गुजर रहा किसान

रीवा। गेहूं उपार्जन का दौर अंतिम चरण में चल रहा है लेकिन जिले के गेहूं उपार्जन केंद्रों में एक बार फिर हालात खराब दिख रहे हैं। जहां एक तरफ खरीदी केंद्रों में अव्यवस्था का दौर सुधरने का नाम नहीं ले रहा है वहीं ट्रांसपोर्टर की मनमानी और जिम्मेदार खरीदी केंद्रों पर हजारों क्विंटल गेहूं विभाग की लापरवाही के चलते डंप पड़ा हुआ। आए दिन मौसम की स्थिति बनती बिगड़ती नजर आती है लेकिन निर्मित समस्या का समाधान नहीं हो रहा। समस्या का सबसे बड़ा कारण ट्रांसपोर्टर की मनमानी मानी जा रही है हालात कुछ इस कदर है कि ट्रांसपोर्टर खरीदी केंद्रों से उपज यानी अनाज के ट्रांसपोर्टिंग का ठेका तो ले लेते हैं लेकिन ठेका मिलते ही इनका मनमानी का दौर प्रारंभ हो जाता है। पर्याप्त संसाधन के अभाव में संबंधी ट्रांसपोर्टर समय पर खरीदी केंद्रों से अनाज का उठाव नहीं करते, जिसके कारण खुले आसमान के नीचे पड़ा हजारों कुंतल गेहूं पर संकट के बादल 24 घंटे मंडराते नजर आते हैं। एक तरफ जहां लू के थपेड़ों के बीच अचानक आसमान में छाए बादल और तीसरे चौथे दिन हो रही बूंदाबांदी तो वही खरीदी केंद्रों से हो रही अनाज की चोरी खरीदी केंद्र प्रभारियों के लिए मुसीबत बनी हुई है। उधर सबसे बड़ी समस्या के दौर से क्षेत्र का अन्नदाता गुजर रहा है,एक तरफ जहां सभी किसानों का स्लाट बुक नहीं हो पाया, जिन किसानों का स्लॉट बुक हुआ और खरीदी केंद्रों में हफ्तों के इंतजार में गेहूं की बिक्री तो कर दिए लेकिन अब ट्रांसपोर्टर की मनमानी के चलते खरीदी केंद्रों से गेहूं का उठाव ना किए जाने के कारण किसानों के खाते में बेचे गए अनाज की राशि नहीं पहुंच पा रही है।प्रबंधकों के गुर्गों का बोलबालाजिले में निर्धारित किए गए 26 खरीदी केंद्रों में से अधिकतर खरीदी केंद्रों में आलम यह है कि खुले आसमान के नीचे खरीदी की जा रही है खुले आसमान के नीचे पड़े है गेहूं के सुरक्षा हेतु किसी भी प्रकार के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। यदि थोड़ी सी भी बारिश हुई तो निश्चित तौर पर खुले में रखा गेहूं भीगकर सड़ने लगेगा और फिर उसका जिम्मेदार खरीदी केंद्रों और समितियों के साथ किसानों को बना दिया जाएगा और जब विपणन संघ उस सड़े हुए गेहूं को लेने से मना कर देगा तो बेचारे किसान का पैसा बिना वजह फंस जाएगा। यहां सबसे बड़ा सवाल या उठता है कि आखिर इस सबका जिम्मेदार कौन होगा? वैसे भी खरीदी केंद्रों में किसानों के साथ जिम्मेदार समिति सेवक एक तरफ से लूट जैसी स्थिति बना के रखे हैं। जिले के कई खरीदी केंद्रों में संबंधी खरीदी प्रभारी अपने गुर्गे पाल रखे हैं जो नकेवल किसानों के साथ अभद्रता करते बल्कि मनमानी तौर से 50.500 किलोग्राम से लेकर 51 किलो ग्राम से भी अधिक की भर्ती करवाते। हालात कुछ इस कदर है कि यदि अन्नदाता समिति प्रबंधकों एवं उनके लठैतों की मनमानी पर ऐतराज जाहिर करता है तो किसानों के साथ बदसलूकी की जाती है, 80 फ़ीसदी खरीदी केंद्रों में प्रशासन की मनसा अनुसार छाया पानी तक की व्यवस्था नहीं की गई है कई खरीदी केंद्र प्रभारी तो ऐसे भी हैं जो शासन प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन के विपरीत कार्य कर रहे हैं। हालांकि यह सब जांच का विषय है जांच उपरांत ही या साबित होगा कि कहां किसके द्वारा कितना नियम विरुद्ध कार्य किया गया है। जिम्मेदार विभाग बना अनजानजिले के ज्यादातर गेहूं उपार्जन केंद्रों में हालात यह है कि समुचित शेड की व्यवस्था न होने से गेहूं की खरीदी खुले आसमान के नीचे की जा रही है। गांव के किसी बगीचे अथवा समतल किये गए खेतों में किसान के गेहूं की खरीदी की जा रही है। यह खरीदी विपणन संघ द्वारा की जाती है जिसकी पूरी जवाबदेही उन्हीं की होती है। मॉनीटिरिंग के तौर पर जिले का फूड विभाग कृषि विभाग के कर्मचारी कार्य करते है। शिकायत की स्थिति में इसका निराकरण और निगरानी का काम खाद्य विभाग का होता है। अब सवाल यह है कि कहीं न कहीं यह खाद्य विभाग की भी कमी है कि यह देखे की आखिर प्रतिदिन किस अनुपात में उपार्जित किये गए गेहूं का परिवहन किया जा रहा है। यदि समय पर गेहूं उठाव नही हुआ तो इसमे ट्रांसपोर्टर के साथ साथ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता विभाग एवं विपणन संघ भी जिम्मेदार है। वास्तव में देखा जाय तो उपार्जित गेहूं के उठाव को लेकर समस्या लगभग हर जगह एक जैसी है। सूत्र बताते हैं कि सभी खरीदी केंद्रों में यह जानकारी ट्रांसपोर्टर और फ़ूड विभाग को भेज दी है और स्पष्ट कर दिया है कि किस किस उपार्जन केंद्र में कितना कितना गेहूं डंप पड़ा है लेकिन इसके बावजूद भी ट्रांसपोर्टर और फूड विभाग की नींद नहीं खुल रही है। क्षेत्र के कई खरीदी केंद्र तो ऐसे हैं जहां पर गेहूं खेतों में पड़ा है। उपार्जन प्रबंधकों द्वारा बताया गया कि गेहूं को दीमक खाने लगे हैं।

आयुष्मान योजना से मिलता है 5 लाख रुपए की निःशुल्क उपचार सहायता

रीवा। हर व्यक्ति को स्वास्थ्य रक्षा का अधिकार देने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड दिया जाता है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से हितग्राही चिन्हित सरकारी और निजी अस्पतालों में बड़े-बड़े रोग का इलाज करा सकता है। एक वर्ष में अधिकतम 5 लाख रुपए तक की उपचार सहायता इस योजना से दी जाती है। यह योजना पूरी तरह से कैशलेस है। हितग्राही के उपचार तथा दवाओं की राशि संबंधित अस्पताल के बैंक खाते में दी जाती है। इस योजना का स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से लाभान्वित हितग्राही, मुख्यमंत्री संबल योजना, कर्मकार कल्याण मण्डल योजना, भोपाल गैस त्रासदी से प्रभावित परिवार इसके पात्र हैं। सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा सहायिका, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, आशा तथा ऊषा कार्यकर्ता, आशा सुपरवाइजर, कोटवार एवं संविदा कर्मचारी इसके पात्र हैं। इसी तरह प्रदेश के 70 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति को इस योजना की पात्रता है। आयुष्मान योजना से कोरोना, कैंसर, गुर्दा रोग, हृदय रोग, डेंगू, मलेरिया, डायबिटीज, घुटना तथा कूल्हा प्रत्यारोपण, मोतियाबिंद, सिजेरियन तथा अन्य चिन्हित गंभीर रोगों का उपचार किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला अस्पताल तथा अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों एवं शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में शिविर लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

घर से निकलते समय धूप और लू से बचाव के उपाय करें - डॉ. त्रिपाठी

रीवा । जिले में पिछले एक सप्ताह से तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। छुटपुट वर्षा तथा बादलों के बावजूद पिछले तीन दिनों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। जिले के अधिकतम और न्यूनतम औसत सामान्य तापमान से लगभग 5 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान बना हुआ है। सुबह 10 बजे से ही गर्म हवाएं चलने लगती हैं जिसके कारण लू लगने की आशंका बढ़ जाती है। रात 8 बजे तक गर्म हवाओं का असर रहता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने आमजनों को लू से बचाव की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि लू से बचने के लिए जन सामान्य ज्यादा समय तक घर पर ही रहें। जिले में पिछले एक सप्ताह से तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। दिन में 10 बजे के बाद गर्म हवाओं का प्रकोप हो जाता है। आमजन अतिआवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले। जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलते समय पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। खाली पेट घर से बाहर न जायें। इससे लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। दिन में कम से कम 12 से 15 गिलास पानी जरूर पियें। लू से बचाव के लिए देशी घरेलू उपाय अपनाएं। बाहर निकलते समय सूती कपड़े से चेहरा और सर ढककर रखें तथा पानी साथ में जरूर रखें। पहनने के लिए सूती कपड़ों का अधिक उपयोग करें। लू से बचने के लिए खरबूज, तरबूज, ककड़ी, खीरा, आदि मौसमी फलों का सेवन करें। बेल, सौफ, पोदीना, धनिया आदि के शर्बत तथा छांछ और कच्चे आम का पना के उपयोग से भी लू से बचाव होता है। अगर लू के लक्षण जैसे मिचली आने, गला सूखने तथा बुखार का प्रकोप होने पर तत्काल डॉक्टर से संपर्क करके उचित उपचार करायें। शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए हर आधे घंटे बाद कम से कम आधा गिलास पानी अवश्य पिएं।

दर्दनाक सड़क हादसाः जैन समाज की महिला धर्मगुरु की मौत

जैन मंदिर से दैनिक क्रिया के लिए जा रही थीं तीनों साध्वी, कलेक्टर कार्यालय के पास तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे, शहर में शोक की लहर

रीवा। शहर में बुधवार की सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे जैन समाज सहित शहरवासियों को स्तब्ध कर दिया। सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित कंट्रोल रूम के पास तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से जैन समाज की एक महिला धर्मगुरु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य महिला धर्मगुरु गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की विशेष टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। घटना के बाद अस्पताल परिसर और जैन मंदिर में बड़ी संख्या में समाजजन पहुंच गए, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह लगभग 5:40 बजे तीनों महिला धर्मगुरु कटरा स्थित जैन मंदिर से झिरिया क्षेत्र की ओर अपनी दैनिक शौच क्रिया के लिए पैदल जा रही थीं। प्रतिदिन की तरह वे मंदिर से निकलकर निर्धारित मार्ग से आगे बढ़ रही थीं। इसी दौरान जब वे सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित कंट्रोल रूम के सामने सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज गति से आ रही एक कार ने अचानक उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। वाहन की रफ्तार काफी तेज थी और चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया, जिसके चलते तीनों महिला धर्मगुरु सीधे कार की टक्कर का शिकार हो गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों महिलाएं सड़क पर दूर तक उछलकर गिर गईं। हादसा होते ही आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को संभाला और पुलिस तथा एंबुलेंस को सूचना दी। घटना के प्रत्यक्षदर्शी अभिषेक जैन ने बताया कि तीनों लोग सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान अचानक तेज गति से कार आई और सीधे उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी अचानक हुई कि कोई कुछ समझ पाता उससे पहले ही सब कुछ हो चुका था। उन्होंने बताया कि हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। इस दर्दनाक हादसे में सागर निवासी श्रुतमति माता की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी घटनास्थल पर ही सांसें थम गईं। वहीं हादसे में तमिलनाडु निवासी उपसममति माता और जबलपुर निवासी आर्यका माता गंभीर रूप से घायल हुई हैं। दोनों के सिर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। चिकित्सकों की टीम लगातार उनका उपचार कर रही है और उन्हें आईसीयू में निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों में भी हलचल मच गई। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीएम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल पहुंचे और चिकित्सकों से घायलों की स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों ने घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जैन समाज के सदस्यों ने बताया कि महिला धर्मगुरुओं को विशेष आग्रह के बाद रीवा आमंत्रित किया गया था। वे पिछले लगभग तीन माह से कटरा स्थित जैन मंदिर में प्रवास कर रही थीं और धार्मिक अनुष्ठान, प्रवचन तथा आध्यात्मिक कार्यक्रमों में शामिल हो रही थीं। समाज के लोगों के बीच उनका विशेष सम्मान और श्रद्धा थी। अचानक हुई इस घटना ने समाज के लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल परिसर और मंदिर क्षेत्र में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग पहुंचने लगे। समाजजनों ने इस हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दोषी वाहन चालक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है वही पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। वाहन चालक की तलाश की जा रही है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

वैलेंटाइन-डे से लापता नाबालिग प्रेमी जोड़े के कंकाल जंगल में मिले

तीन माह बाद हुआ खुलासा, जवा थाना क्षेत्र के जनकहाई जंगल की घटना, पुलिस जांच में जुटी,मौत के कारणों पर रहस्य बरकरार

रीवा। जिले के तराई अंचल में वैलेंटाइन-डे के दौरान फरवरी माह में लापता हुए नाबालिग प्रेमी जोड़े के कंकाल तीन माह बाद घने जंगल में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में दोनों की पहचान तीन माह पूर्व लापता हुए किशोर और किशोरी के रूप में की गई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।जानकारी के अनुसार मामला जिले के जवा थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित जनकहाई जंगल का है। बुधवार दोपहर स्थानीय ग्रामीणों ने जंगल के भीतर दो मानव कंकाल जैसी आकृतियां देखीं, जिसके बाद तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही जवा थाना पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से मामले की जांच शुरू की गई। पुलिस जांच के दौरान मृतकों की पहचान नीबा गांव निवासी नाबालिग किशोर और किशोरी के रूप में की गई, जो लगभग तीन माह पूर्व अचानक लापता हो गए थे। परिजनों द्वारा उस समय थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। बताया जा रहा है कि दोनों 13 फरवरी को वैलेंटाइन-डे के आसपास घर से निकले थे, जिसके बाद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया था। पुलिस के अनुसार जंगल में मिले शव काफी पुराने प्रतीत हो रहे हैं और समय बीतने के कारण वे पूरी तरह कंकाल में तब्दील हो चुके हैं। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मौत काफी पहले हुई होगी, हालांकि अभी तक मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं।घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे। अपने बच्चों के अवशेषों की पहचान होने के बाद परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वहीं पुलिस ने मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर कंकालों को कब्जे में ले लिया है। अब इन्हें पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के लिए मेडिकल कॉलेज रीवा भेजा जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला आत्महत्या का है, दुर्घटना का या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट और फोरेंसिक परीक्षण के बाद ही इस रहस्यमयी घटना से पर्दा उठने की संभावना जताई जा रही है।

युवक की मौत पर बवाल, शव रखकर अमहिया मार्ग पर चक्काजाम परिजनों ने लगाया हत्या और पुलिस लापरवाही का आरोप

रीवा।

शहर में लापता युवक का शव बीहर नदी में मिलने के बाद बुधवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने हत्या का आरोप लगाते हुए अमहिया मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कुछ समय तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। परिजनों का आरोप है कि युवक को पहले बंधक बनाकर प्रताड़ित किया गया और बाद में उसकी हत्या कर शव नदी में फेंक दिया गया। साथ ही उन्होंने पुलिस पर भी गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। परिजनों का कहना था कि यदि पुलिस समय रहते युवक की तलाश करती तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन शांत हुए और अंतिम संस्कार के लिए सहमत हुए। बता दे चक्काजाम के दौरान स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब

भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने मृतक को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। इससे आक्रोशित लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने उस व्यक्ति की पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया।दोस्त की बर्थडे पार्टी में गया था युवकजानकारी के अनुसार अमहिया निवासी लाला उर्फ रितेश चौधरी रविवार रात अपने कुछ साथियों के साथ जन्मदिन समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकला था। परिजनों के मुताबिक जिन युवकों के साथ रितेश गया था, उसी रात निपनिया क्षेत्र स्थित बंसल बस्ती में किसी बात को लेकर विवाद और मारपीट की घटना हुई थी। इस घटना में कुछ लोग घायल भी हुए थे।परिजनों का कहना है कि विवाद के बाद से रितेश का कोई सुराग नहीं मिला। उसकी तलाश लगातार की जा रही थी,

लेकिन उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद मंगलवार को बीहर नदी में युवक का शव मिलने से परिवार और क्षेत्र में सनसनी फैल गई।शरीर पर मिले चोट के निशान मृतक के परिजनों ने दावा किया है कि शव पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है। उनका आरोप है कि विवाद के दौरान ही रितेश को बंधक बनाकर करीब 24 घंटे तक प्रताड़ित किया गया और उसकी मौत हो जाने के बाद आरोपियों ने सबूत छिपाने के उद्देश्य से शव को नदी में फेंक दिया। हालांकि पुलिस ने अभी तक हत्या की पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मऊगंज पुलिस ने चलाया साइबर जागरूकता एवं नशा मुक्ति अभियान

मऊगंज। साइबर जागरूकता एवं नशा मुक्ति अभियान के तहत थाना मऊगंज एंव नईगढ़ी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह अभियान पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार जैन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के निर्देशन तथा एसडीओपी सचि पाठक के मार्गदर्शन में संचालित किया गया।कार्यक्रम के दौरान एसडीओपी सचि पाठक, थाना प्रभारी नईगढ़ी उपनिरीक्षक ऋषि त्रिवेदी एवं थाना प्रभारी मऊगंज रीना सिंह मौजूद रहीं। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों एवं आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए। लोगों को ओटीपी, बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करने तथा सोशल मीडिया का सुरक्षित और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया।इसके साथ ही युवाओं एवं ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। मऊगंज पुलिस ने आमजन से सतर्क, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनकर पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

दवा विक्रेताओं की देशव्यापी हड़ताल का असरः बंद रहीं मेडिकल दुकानें, ई-फार्मेसी के विरोध में उतरे केमिस्ट

रीवा। शहर में बुधवार को दवा विक्रेताओं की देशव्यापी हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। शहर और आसपास के क्षेत्रों में अधिकांश मेडिकल स्टोर्स के शटर बंद रहे, जिससे आम लोगों को दवाइयों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि मरीजों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरकारी अस्पतालों के मेडिकल स्टोर, जन औषधि केंद्र और अमृत फार्मेसी जैसी आवश्यक सेवाओं को संचालन की अनुमति दी गई, जिससे आपातकालीन मरीजों को राहत मिल सके।यह देशव्यापी हड़ताल ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर आयोजित की गई। दवा विक्रेता संघ द्वारा मुख्य रूप से ई-फार्मेसी (ऑनलाइन दवा बिक्री) के विरोध में यह आंदोलन किया गया। संगठन का कहना है कि ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री लगातार बढ़ रही है, जिससे दवा कारोबार और मरीजों की सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रही हैं।दवा विक्रेताओं का आरोप है कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना उचित चिकित्सकीय जांच और पुराने चिकित्सकीय पर्चों के आधार पर दवाओं की आपूर्ति कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे मरीजों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। गलत दवाओं का सेवन, दवाओं का दुरुपयोग तथा चिकित्सकीय परामर्श के बिना दवाइयों का उपयोग बढ़ने की आशंका बनी रहती है।दवा विक्रेताओं का कहना है कि पारंपरिक

मेडिकल स्टोर्स पर दवा बेचने के लिए निर्धारित नियमों और औषधि नियंत्रण विभाग की गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होता है, जबकि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इन नियमों के पालन को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। उनका मानना है कि यदि ऑनलाइन दवा बिक्री पर उचित नियंत्रण नहीं किया गया तो भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं।मरीजों को हुई असुविधाहड़ताल के कारण शहर में दवा लेने पहुंचे कई लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ मरीज और उनके परिजन बंद मेडिकल स्टोरों के बाहर दवा उपलब्ध होने की जानकारी लेते दिखाई दिए। हालांकि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से जरूरी

दवाएं उपलब्ध कराए जाने से स्थिति पूरी तरह गंभीर नहीं बनी।नशीली दवाओं पर कार्रवाई से भी बढ़ी नाराजगीइधर, ई-फार्मेसी के विरोध के अलावा जिले में पिछले कुछ समय से मेडिकल स्टोर्स पर प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर भी केमिस्टों में नाराजगी की स्थिति देखी जा रही है। रीवा जिले में हाल के महीनों में ट्रामाडोल, प्रतिबंधित कफ सिरप और अन्य नशीली दवाओं की अवैध बिक्री को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है जांच के दौरान कई मेडिकल स्टोर्स पर कार्रवाई की गई है तथा संदिग्ध दवाओं के भंडारण और बिक्री से जुड़े मामलों की जांच भी जारी है। दवा कारोबारियों का कहना है कि कार्रवाई के दौरान सभी व्यापारियों को एक ही नजरिए से देखना उचित नहीं है। वहीं प्रशासन का तर्क है कि नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाना आवश्यक है।

हनुमना पुलिस ने अवैध नशीली कफ सिरप की तस्करी कर रहे आरोपी को किया गिरफ्तार

मऊगंज। जिले के हनुमना थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल काकड़े के नेतृत्व मे पुलिस स्टाफ ने अवैध नशीली कफ सिरप की तस्करी करते हुए आरोपी शैलेन्द्र बहादुर सिह उर्फ उबे सिह को गिरफ्तार किया गया । घटना के बारे मे मिली जानकारी के अनुसार पता तलाश जुर्म जरायम ग्राम अर्जुनपुर मे जरिये मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अमहा बासुदेव वार्ड क्रमांक 03 का रहने वाला शैलेन्द्र बहादुर सिह उर्फ ऊबे पिता स्व. वंशनारायण सिह उम्र करीबन 43 वर्ष का अपनी मोटर सायकल हीरो लाल सिल्वर कलर की जिसका नंबर MP17MP1559 से एक काले सफेद छिटदार बोरी मे भारी मात्रा मे कोरेक्स लेकर उत्तर प्रदेश से हाईवे होते हुए मऊगंज जा रहा है यदि तत्काल कार्यवाही की जाए तो भारी मात्रा मे कोरेक्स पकड़ी जा सकती है। मुखबिर सूचना पर रवाना होकर ग्राम मसुरिहा एनएच-135 ओवर ब्रिज के पास हमराह पुलिस स्टाफ एवं गवाहानो को घेराबंदी कर उक्त मोटर सायकल, प्लास्टिक की बोरी सहित व्यक्ति को पकड़ा गया उक्त व्यक्ति , वाहन मो.सा. एवं प्लास्टिक की बोरी की तलासी लेने पर काले सफेद छिटदार प्लास्टिक को बोरी मे कुल 17 शीशी अवैध मादक पदार्थ नशीली कफ सिरफ बरामद होने पर विधिवत कार्यवाही किया जाकर आरोपी शैलेन्द्र बहादुर

सिह उर्फ उबे को गिरफ्तार किया गया है तथा मामले मे आरोपी से पूछताछ किया गया मामले मे संलिप्त तीन नफर आरोपी की पता तलास जारी है आरोपी को पकडने मे थाना प्रभारी हनुमना निरी. अनिल काकड़े , सउनि तीरथ प्रसाद , प्र.आर. अभिषेक मिश्रा , आर. मनीष पाण्डेय , आर. विवेकानन्द यादव , आर. प्रदीप यादव , आर. विवेक यादव , आर. अशोक यादव थाना हनुमना तथा प्र.आर. विमल कुशवाहा , आर. भावेश , आर. नितिन शुक्ला साइबर सेल मउगंज की सराहनीय भुमिका रही ।

हेल्प डेस्क स्थापित

रीवा । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 राज्यों एवं 3 केन्द्र शासित प्रदेशों में 20 मई से 23 दिसंबर तक मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया है। कार्यक्रम के दौरान चुनावी सेवाओं तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने और सभी पात्र नागरिकों विशेष रूप से दिव्यांगजनों, प्रवासियों एवं बुजुर्ग मतदाताओं को सम्मलित करने हेतु जिला स्तर पर दूरभाष नंबर 07662-250209 में हेल्पडेस्क स्थापित किया गया है। हेल्पडेस्क में लवकुश चौधरी, डाटा इंट्री आपरेटर मोबाइल नंबर 9425883015 को तैनात किया गया है।